

3174

नामा जीपदा संका

जरे संका = 5400/- वरुम

संका = 660/- रुम ($\frac{1}{500} + \frac{2}{100} + \frac{3}{60}$)

इम वस राम पुडा श्री: जवे राम संका (12) महा राम पुडा कन्दवा

(13) जो राम पुडा जीवा संका (14) र राम पुडा होकरमा (15) वदमा

पुडा सुधा जाग संका निवास श्री वरुम संका वास

निजद गोरु बाइल संका व कावरा श्री वरुम असामन व

निज निजजा संका पंचायत परस श्री वरुम संका वास

1 Rule & c.p. c (16) श्री: रामा पुडा वरुम (17) जो राम पुडा

श्रीनाथ व (18) श्री: मंगल पुडा वरुम श्री वरुम संका

निवास संका वास श्री वरुम व (165-1)

(1) श्री वरुम वरुम जय संका संका वरुम व (165-3)

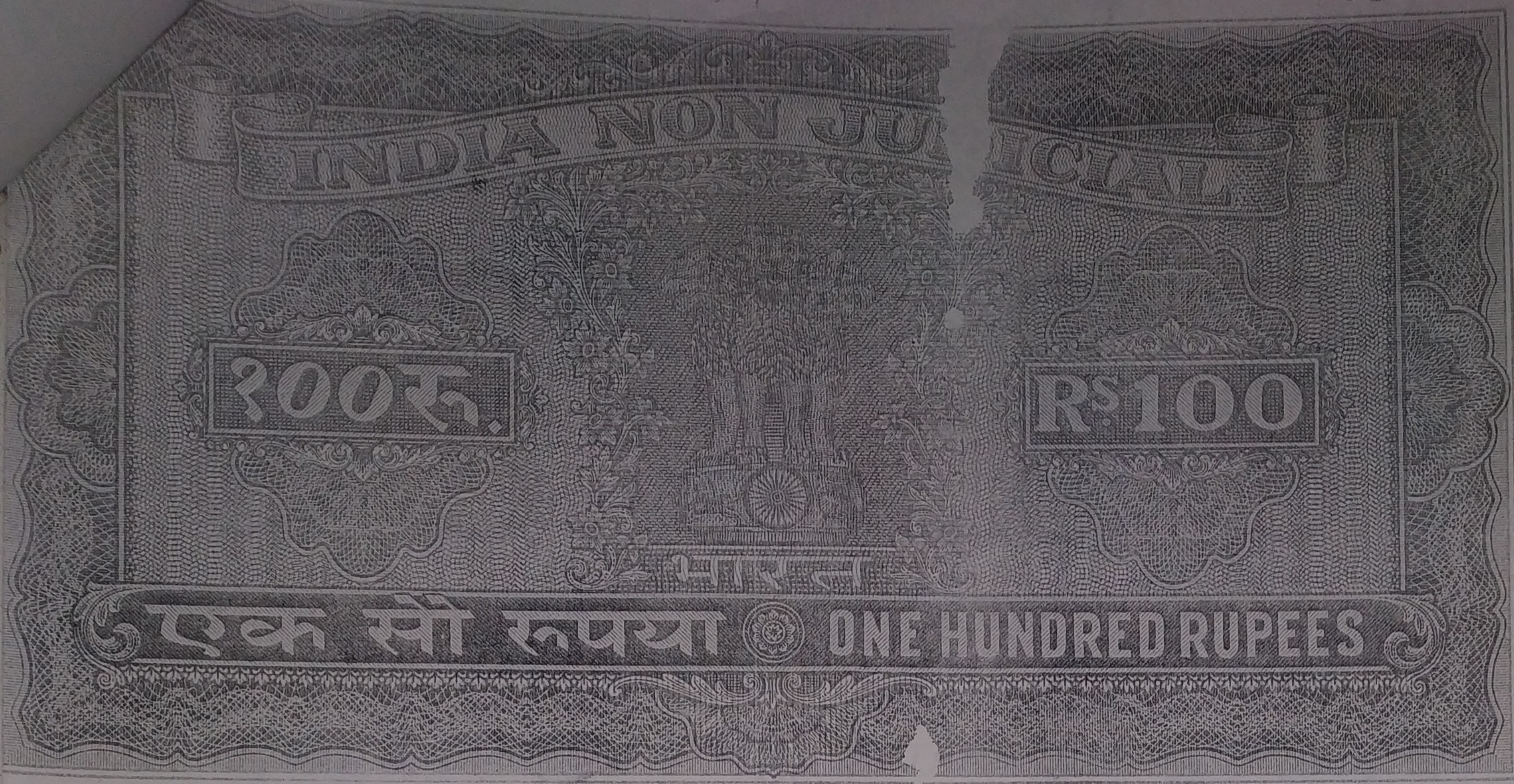
वरा जो श्री वरुम वरुम न: 1735 वाक्य संका श्री

श्री वरुम निजद जोडा करा व श्री वरुम व (165-3)

संका व कावरा श्री वरुम मंवरुम वरुम श्री वरुम

अवकाश वरुम वरुम श्री वरुम वरुम श्री वरुम

श्री: रामा पुडा वरुम



जिस पर गाँव पार्षदों द्वारा स्कूल व कारिजन का देना
 व गाँव आना है बरेल्य देना देना नः 364 फसल
 30-4-74 मिथ्या प्रमाण व सबूत हमारा है। इस में
 12-3-75
 और जिस का भाग न है। और जो हर प्रकार के
 भाग से रहित है। और हम इसका हर प्रकार से
 मुनसिब बन करन का पूरा अधिकार है।

गाँव आना
 364 फसल
 12-3-75

पूवय 31-0
 गाँव पार्षदों द्वारा स्कूल
 व कारिजन !

पार्षदय में 31-0
 सरके नगर पार्षदों जो
 आनन्द पर का जान है।

दोहरा में 48-0
 अहम गाँव पार्षदों
 द्वारा स्कूल व कारिजन

उत्तर में 48-0
 गाँव करीब नगर पार्षदों

(2) प्रहृ कि अब हम न अपन अपन सबस्य इन्दिया
 स्थान वारु और स्वयं चित का अवस्था में बिना कर
 के देना व आगु के अपन अपन परसना से

साठ रुप

६० रु.

भारत INDIA

SIXTY RUPEES

60RS

अपनी रुक किना जमीन सफेद सभत वरकब) 165/3
वग राज मजदुर मंडल पर न। मजदुरिया एक एक

(जो मजदुर सभत के लिए) इत है हर प्रकार

सर्विला न कामकाज का मु. 5400/- रणम (पांश
इजाद मजदुरों से रणम) आता मजदुर मु. 2700/- रणम

(दो इजाद मजदुरों से रणम) इत है बकस गोर, बाइल

विद्या परधारन असोसिएशन से इतक बजावत का

मजदुर किशोर रुपका के ट इतक से इतक असोसिएशन

मजदुर व व मजदुरान कर का है। कुल मजदुरों से मजदुर

मु. 5400/- रणम से मु. 500/- रणम मजदुर मुशाम

मजदुर से वसूली कर मु. है बाक मु. 4900/-

रणम मजदुर से मजदुरों करन वा म के सामन

मजदुर मजदुरों के लिए व करन मजदुरों मुशाम

मजदुर पर मुशाम का दोड़ना है। मजदुरों

मा म मजदुरों व मजदुरों देवत मजदुरों इतक

मजदुर व मजदुरों करन देवत। कुल मजदुरों करन

सभा (रजिं)

श्री. गो. ग. मजदुरों का

इस प्रकार मुशरफ़ का है!

(3) इकरार यह है कि मु

का शासक बनने का राजा

- सब जायदाद मुबदा मजदूर
- 1 माद कर के बिना नरह स

जायदाद मुबदा मजदूर का बाबत दीवदार ही राजा

का वीरान हो जा। उसका जवान दे और मुशरफ़ का

दरजा व खेम का हम मकार हो जा। माद जायदाद

मुबदा मजदूर कुल मा ज रिशत नुबस वाकमान मजदूर

म मा लमान का मु से कलन व मजदूर

मुशरफ़ से निजाम जीव हो इसकादर जरे समय हम

मुशरफ़ का वादिसा दे के इतमय्यात हो जा। हमारे वारसा

व जादमुकामा के इति व माया का शरामन के पावन्द रह जा

अन: यह व कामा निरख दिना कि परमरा रह मुहरी 10-12-75

वसयत वदारा राम वसीया के वीर सारख का 992 (शहदत 115

म. 7)

1) मुशरफ़ वसयत वसीया
व निजाम व पंजापन मारुवा
से वीर वारा

2) मुशरफ़ वसयत वसीया
पंजापन मारुवा से वीर वारा

(3) जंगल राम वसयत वसीया
व निजाम व पंजापन मारुवा से वीर वारा

(4) जंगल राम वसयत वसीया
पंजापन मारुवा से वीर वारा

(5) पहला वसयत वसीया
पंजापन मारुवा से वीर वारा

(6) राम वसयत वसीया

(7) जंगल वसयत वसीया

(8) मंगल वसयत वसीया
उध मंगल

121111
का - यशवीर पण्डित शिवा शिवा शिवा शिवा शिवा

